नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के वन्यप्राणी विशेषज्ञों द्वारा मृत तेंदुए का किया गया पोस्ट मार्टम

आज दिनांक 06.09.2021 के बीच में जबलपुर संभाग के वन मण्डल अधिकारी श्रीमती अंजना तिर्की द्वारा स्कूल ऑफ वाईल्डलाई फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर की संचालिका, डॉ. शोभा जावरे को सूचित किया गया कि राजस्व ग्राम खड़रा बहोरीबंद के निकट में एक मृत नर तेंदुआ जिकी उम्र 3 से 4 वर्ष का पाया गया है। अतः स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर के वन्यप्राणी विशेषज्ञों को मौकाए वारदात पर भेजा गया। इस संबंध में नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति महोदय माननीय प्रोफेसर, डॉ. एस.पी. तिवारी को इस संबंध में अवगत कराया गया, तत्पश्चात स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर के डॉ. अमोल रोकड़े सहायक प्राध्यापक को मौकाए वारदात पर भेजा गया। बहोरीबंद वन परिक्षेत्र के अंतर्गत राजस्व ग्राम खड़रा माताजी के मंदिर के पास से लगभग 150 मीटर दूर खुले मैदान में यह तेन्दुआ मृत अवस्था में पड़ा था। जिसे रात्रि 11:30 बजे वन अधिकारियों की उपस्थिति में पंचनामा की प्रक्रिया के पश्चात शव परीक्षण हेतु स्कूल ऑफ वाईल्डलाई फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर में रात्रि 02 बजे तक केन्द्र में लाया गया, ताकि उसे विवेचना कर साक्ष्य संकलन किया जा सकें तथा मौत के अज्ञात कारणों का पता लगाया जा सके। प्रातः लगभग 11:45 बजे शव परीक्षण किया गया एवं विस्तृत शव परीक्षण रिपोर्ट प्रतीक्षित है, जो वारदात की तथा मृत्यु के कारण की जानकारी उपलब्ध करायेगी। शव परीक्षण के दोरान पैथौलॉजी विभाग की प्रमुख प्रोफेसर डॉ. यामिनी वर्मा, डॉ. अमिता दुबे, स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर की संचालिका डॉ. शोभा जावरे, डॉ. सोमेश सिंह, डॉ. के.पी. सिंह, डॉ. निधि राजपूत तथा डॉ. देवेन्द्र पोधाड़े की उपस्थिति रही। तेन्दुए के शव परीक्षण के दौरान विभिन्न प्रकार के जैविक नमूनों का संग्रहण किया गया है जिसकी प्रयोगशाला जॉच जारी है।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर